दुनियाभर के लिए प्रशिक्षित कामगार तैयार करेगा विश्वस्तरीय इंस्टीट्यूट

लखनऊ में बनेगा प्रदेश का पहला सेंट्रल मिलिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट

घोषणा

05 एकड़ जमीन मिलर्स एसोसिएशन को दी जाएगी

- 61वीं वार्षिक साधारण सभा में विशेषज्ञों ने कई मुद्दों पर की बात
- विश्वस्तरीय उत्पाद तैयार करने तथा उसकी टेक्नोलॉजी पर चर्चा

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। उत्तर प्रदेश रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन की 61वीं वार्षिक साधारण सभा में विश्वस्तरीय उत्पाद तैयार करने तथा उसकी टेक्नोलॉजी पर चर्चा की गई। गेहूं के उत्पादों में पौष्टिकता (न्यूट्रिशन) बनाए रखने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना तथा विशिष्ट अतिथि मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह थे।

मुख्य सचिव ने मिलर्स को बताया कि लखनऊ में देश का दूसरा तथा उत्तर भारत का पहला सेंट्रल मिलिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट बनेगा। इसमें प्रशिक्षित कामगार न केवल भारत बल्कि यूरोपीय व मध्य पूर्वी देशों की जरूरतों को पूरा करेंगे।

गोमतीनगर स्थित होटल में मिलर्स एसोसिएशन की आमसभा में पौष्टिकता से भरपूर फोर्टीफाइड गेंहू से तैयार आटा, मैदा, सूजी को विश्वस्तरीय बाजार के अनुरूप बनाने पर जोर दिया गया। कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार कर देश के निर्यात को बढ़ाया जाएगा।

नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रहीं: मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज प्रदेश में नित नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं, जिससे न केवल अपना प्रदेश विकास के मार्ग पर तीव्र गति से बढ़ रहा है बल्कि किसानों को उनकी ऊपज का उचित मूल्य मिल रहा है। रोजगार के अनेक नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वो दिन दूर नहीं जब यूपी देश में एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनामी वाला प्रथम प्रदेश बनेगा।

यूपी रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन की 61वीं वार्षिक साधारण सभा में शनिवार को मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे।

यूपी में औद्योगिक माहौल विकसित करना मकसद

विशिष्ट अतिथि मुख्य सचिव ने कहा कि हमारा मकसद नए उद्योगों की राह में आने वाली सभी बाधाओं को दूर कर औद्योगिक माहौल विकसित करना है। इससे न केवल उत्तर प्रदेश के बल्कि अन्य राज्यों के उद्यमी भी अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। आज के दौर में किसी भी उद्योग में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का महत्व बढ़ गया है। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि लखनऊ में पांच एकड़ जमीन उत्तर प्रदेश रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन को दी जाएगी। इसमें टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट स्थापित होगी।

मंडी शुल्क को सरल किए जाने की मांग

संगठन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन और उपाध्यक्ष दीपक बजाज ने कहा कि हमारा उद्योग हर घर में इस्तेमाल होने वाला आटा, मैदा, सूजी न्यूनतम लाभ पर बाजार में बेचता है। प्रदेश गेहूं उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि लीज होल्ड भूमि कानून को बदलने की जरूरत है, जिससे न केवल औद्योगिक विकास में तेजी आएगी बल्कि प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग मैन्युफैक्चरिंग को भी बढ़ावा मिलेगा। किसानों से सीधे खरीदे जाने वाले गेहूं पर लगने वाले मंडी शुल्क को व्यवहारिक और तर्कसंगत बनाया जाए। कार्यक्रम में रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष नवनीत चितलंगिया, सुरेश सिंघल, विजय गुप्ता, संजीव गुप्ता व पूर्व अध्यक्ष प्रमोद वैश्य, रामचंद्र सिंघल, प्रदीप सिंघल, कुलभूषण अग्रवाल तथा अशोक अग्रवाल, अर्जुन अग्रवाल, संदीप बंसल, समेत 250 कारोबारी आदि मौजूद थे।